त्योहार के समय और भी बढ़ी महंगाई दर

- विनिर्मित वस्तुओं की महंगाई रिकॉर्ड 9.76% पर
- ईंधन और बिजली की महंगाई बढ़कर 25.85% पर

नवभारत न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर.देश में थोक महंगाई ने सितंबर में तेज उछाल दर्ज किया है. खाद्य पदार्थों, ईंधन और विनिर्मित वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी के चलते थोक मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर अगस्त के 9.92 प्रतिशत से बढ़कर सितंबर में 11.39 प्रतिशत पर पहुंच गई.

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से बुधवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, महंगाई के प्रमुख घटकों में लगातार तेजी बनी हुई है, जिसका असर अर्थव्यवस्था और आम लोगों की जेब पर पड़ सकता है.

खाद्य महंगाई 8.66 प्रतिशत पर- खाद्य सूचकांक आधारित महंगाईदर सितंबर में बढ़कर 8.66 प्रतिशत हो गई, जबकि अगस्त में यह 7.05 प्रतिशत थी. खाद्य वस्तुओं की कीमतों में तेजी थोक बाजार में बढ़ते दबाव को दर्शाती है. इसका असर आगे चलकर खुदरा बाजार में भी दिखाई दे सकता है. पहले जारी खुदरा महंगाई के आंकड़ों में भी सितंबर के दौरान तेजी दर्ज की गई थी.

विनिर्मित वस्तुओं में रिकॉर्ड तेजी- विनिर्मित वस्तुओं की श्रेणी में थोक महंगाई दर सितंबर में बढ़कर 9.76 प्रतिशत पर पहुंच गई. अगस्त में यह 8.37 प्रतिशत थी. जारी आंकड़ों के मुताबिक, यह इस श्रेणी का अब तक का उच्चतम स्तर है. विनिर्मित वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी से उत्पादन लागत और विभिन्न औद्योगिक उत्पादों के दाम प्रभावित हो सकते हैं.

ईंधन और बिजली की महंगाई 25.85 प्रतिशत- ईंधन और बिजली श्रेणी में महंगाई दर सितंबर में बढ़कर 25.85 प्रतिशत हो गई, जो अगस्त में 22.93 प्रतिशत थी. खनिज तेल, कच्चा पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, कोयला तथा लिग्नाइट की कीमतों में तेजी को इसके प्रमुख कारणों में शामिल किया गया है. इसके अलावा मूल धातुओं, रसायन एवं रासायनिक उत्पादों, कपड़ा, रबर और प्लास्टिक उत्पादों तथा विद्युत उपकरणों की कीमतों ने भी थोक महंगाई बढ़ाने में योगदान दिया.

पश्चिम एशिया संकट का असर

महंगाई में तेजी के पीछे पश्चिम एशिया में जारी युद्ध और होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकेबंदी को भी प्रमुख कारण बताया गया है. इस मार्ग से भारत बड़ी मात्रा में कच्चे तेल का आयात करता है. आपूर्ति प्रभावित होने से वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल और उर्वरकों की लागत बढ़ी है. इसका असर खाद्य पदार्थों और अन्य जिंसों की कीमतों पर भी पड़ा है.

भारत ने चीन को पछाड़ा, एफडीआई में बड़ी छलांग

पांच साल में 351 अरब डॉलर का ग्रीनफील्ड निवेश मिला

नवभारत न्यूज नेटवर्क

दिल्ली, 14 अक्टूबर, विदेशी निवेश आकर्षित करने के मामले में भारत ने चीन को पीछे छोड़ दिया है. बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) की 2021 से 2025 के बीच भारत को नई परियोजनाओं के लिए 351 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश मिला.

यह चीन में इसी अवधि के दौरान आए 159 अरब डॉलर के निवेश के मुकाबले दोगुने से भी ज्यादा है. रिपोर्ट के अनुसार, भारत में नए निवेश का प्रवाह बढ़ा है, जबकि चीन में इसमें गिरावट दर्ज की गई है. वैश्विक निवेश के बदलते रुझानों के बीच भारत विदेशी कंपनियों के लिए प्रमुख निवेश गंतव्य के रूप में उभरा है. बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2021-25 के दौरान भारत ने ग्रीनफील्ड परियोजनाओं में 351 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित किया. ग्रीनफील्ड निवेश का मतलब किसी देश में नई इकाई, कारखाना या कारोबार स्थापित करने के लिए किया गया निवेश है.वर्ष 2016-20 के दौरान भारत को 222 अरब डॉलर का ग्रीनफील्ड निवेश मिला था. इस तरह पांच साल की अगली अवधि में निवेश 61 प्रतिशत बढ़ गया. इसके विपरीत चीन में नए उपक्रमों के लिए विदेशी निवेश 350 अरब डॉलर से घटकर 159 अरब डॉलर रह गया.

निवेशकों की पहली पसंद बना भारत

बीसीजी के प्रबंध निदेशक और वरिष्ठ साझेदार निकोलस लैंग के मुताबिक, वैश्विक स्तर पर बड़े बदलावों के बीच भारतीय बाजार निवेशकों के लिए आकर्षक बना हुआ है. हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि भारत को अपनी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता मजबूत करने पर लगातार ध्यान देना होगा. इसके लिए कौशल विकास, कार्यबल की दक्षता और लागत के लिहाज से प्रतिस्पर्धी बने रहना महत्वपूर्ण है.

भेल का मुनाफा 120% उछला

- आय में 23.8%, एबिटा में 76.6% की बढ़ोतरी
- एबिटा मार्जिन 7.7% से बढ़कर 11% पर पहुंचा

नवभारत न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर. सरकारी कंपनी भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड(भेल) ने वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में मजबूत वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया है. कंपनी का शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 120 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 810 करोड़ रुपये पहुंच गया.

वहीं, कंपनी की कुल आय में करीब 24 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई. परिचालन स्तर पर भी कंपनी को फायदा हुआ और उसका एबिटा 76.6 प्रतिशत बढ़कर 1,026 करोड़ रुपये हो गया.

आय बढ़कर 9,300 करोड़ रुपये- भेल की दूसरी तिमाही में कुल आय बढ़कर 9,300 करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह 7,511 करोड़ रुपये थी. इस तरह कंपनी की आय में सालाना आधार पर 23.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई. आय का आंकड़ा बाजार के अनुमान 9,236 करोड़ रुपये से भी अधिक रहा.

मुनाफे में दोगुने से ज्यादा की वृद्धि- कंपनी का शुद्ध मुनाफा पिछले साल की समान तिमाही के 368 करोड़ रुपये से बढ़कर 810 करोड़ रुपये हो गया. बाजार के विश्लेषकों ने 654.4 करोड़ रुपये के मुनाफे का अनुमान लगाया था. वास्तविक आंकड़ा इस अनुमान से काफी अधिक रहा.

एबिटा और मार्जिन में सुधार- भेल का एबिटा दूसरी तिमाही में बढ़कर 1,026 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले साल की समान अवधि में 581 करोड़ रुपये था. इसमें सालाना आधार पर 76.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई. बाजार का अनुमान 881 करोड़ रुपये था. कंपनी का एबिटा मार्जिन भी पिछले साल के 7.7 प्रतिशत से बढ़कर 11 प्रतिशत हो गया. बाजार ने इसके 9.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था. इस तरह मार्जिन में 3.3 प्रतिशत अंक का सुधार दर्ज किया गया. कंपनी के आय, मुनाफे और परिचालन प्रदर्शन के आंकड़े बाजार के अनुमानों से बेहतर रहे. भेल बिजली उत्पादन उपकरणों और औद्योगिक इंजीनियरिंग क्षेत्र में काम करने वाली प्रमुख सरकारी कंपनी है.

रिलायंस की डेयरी बाजार में एंट्री, 20 रुपये में फ्लेवर्ड मिल्क

- 20 रुपये में मिलेगा जॉयलैंड फ्लेवर्ड मिल्क
- तमिलनाडु के बाद देशभर में विस्तार की तैयारी

नवभारत न्यूज नेटवर्क

चेन्नई, 14 अक्टूबर. रिलायंस इंडस्ट्रीज की एफएमसीजी इकाई रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड ने डेयरी पेय पदार्थों के बाजार में कदम रखा है. कंपनी ने तमिलनाडु में जॉयलैंड फ्लेवर्ड मिल्क पेश किया है. इसकी कीमत 20 रुपये रखी गई है.

शुरुआत में यह स्ट्रॉबेरी और वनीला स्वाद में उपलब्ध होगा. कंपनी की योजना इस उत्पाद के जरिए अपने पेय पदार्थों के कारोबार का विस्तार करने और किफायती कीमत पर ग्राहकों तक पहुंच बढ़ाने की है.

कंपनी ने 14 अक्टूबर को चेन्नई में उत्पाद की शुरुआत की घोषणा की. रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के अनुसार, जॉयलैंड को असली डेयरी सामग्री से तैयार किया गया है. फिलहाल इसे तमिलनाडु के बाजार में उतारा गया है. इसके बाद चरणबद्ध तरीके से देश के अन्य हिस्सों में भी उपलब्ध कराने की योजना है.

गुणवत्ता और किफायती कीमत पर जोर- कंपनी के निदेशक टी. कृष्णकुमार ने कहा कि तैयार डेयरी पेय पदार्थों के बाजार में प्रवेश करना कंपनी के उत्पादों की श्रृंखला बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है. जॉयलैंड के माध्यम से कंपनी असली डेयरी सामग्री, गुणवत्ता और किफायती कीमत को एक साथ उपलब्ध कराने का प्रयास कर रही है.

उन्होंने बताया कि तमिलनाडु से इसकी शुरुआत की जा रही है. कंपनी आगे इसे व्यापक डेयरी पेय पदार्थों की श्रृंखला के रूप में विकसित करना चाहती है.

नए स्वाद और उत्पाद भी लाने की तैयारी

रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स आने वाले समय में जॉयलैंड के नए स्वाद पेश करने की योजना बना रही है. इसके अलावा डेयरी पेय पदार्थों की दूसरी श्रेणियों में भी कारोबार बढ़ाने की तैयारी है. कंपनी उपभोक्ताओं की पसंद और बाजार की मांग के आधार पर उत्पादों का विस्तार करेगी.

चीन का सोने वाला दांव डॉलर को चुनौती

- युआन में भुगतान बढ़ाकर वैश्विक बाजार में पकड़ मजबूत करना चाहता है चीन

नवभारत न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर.चीन अब सिर्फ सोना खरीदकर अपना भंडार नहीं बढ़ा रहा, बल्कि उसके अंतरराष्ट्रीय कारोबार में भी अपनी मुद्रा युआन की हिस्सेदारी बढ़ाने की रणनीति पर काम कर रहा है.

हांगकांग में सोने के भंडारण और खरीद-बिक्री का बड़ा केंद्र विकसित करने की योजना इसी प्रयास का हिस्सा है. चीन चाहता है कि अंतरराष्ट्रीय कारोबारी सोने के सौदों में अमेरिकी डॉलर के साथ युआन का भी इस्तेमाल करें. इससे वैश्विक कारोबार में डॉलर पर निर्भरता घट सकती है, लेकिन युआन का दुनिया की प्रमुख मुद्रा बनना अभी आसान नहीं है.

चीन वैश्विक अर्थव्यवस्था में अमेरिकी डॉलर की मजबूत पकड़ को चुनौती देने के लिए सोने को अपनी रणनीति का अहम हिस्सा बना रहा है. चीन करीब 23 महीनों से लगातार अपने स्वर्ण भंडार में बढ़ोतरी कर रहा है.

शेयरों पर एलटीसीजी टैक्स खत्म करने का सुझाव

नवभारत न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर. शेयर बाजार में निवेश करने वालों के लिए लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन टैक्स का मुद्दा फिर चर्चा में है.

एसबीआई रिसर्च की इकोरैप शेयरों पर एलटीसीजी टैक्स खत्म करने और टैक्स छूट के लिए निवेश की अवधि बढ़ाकर दो से तीन साल करने का सुझाव दिया गया है. इसका उद्देश्य निवेशकों को लंबे समय तक शेयर बाजार में निवेश बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करना है. हालांकि, यह केवल एक सुझाव है. केंद्र सरकार ने फिलहाल टैक्स नियमों में बदलाव की घोषणा नहीं की है. मौजूदा व्यवस्था के तहत सूचीबद्ध शेयरों और निर्धारित शर्तें पूरी करने वाले इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश को 12 महीने से अधिक समय तक रखने के बाद बेचने पर हुए मुनाफे को दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ माना जाता है. ऐसे निवेश से एक वित्त वर्ष में होने वाले कुल पात्र मुनाफे के 1.25 लाख रुपये से अधिक हिस्से पर 12.5 प्रतिशत एलटीसीजी टैक्स लगता है.

डॉलर के मुकाबले 95 पर पहुंचा रुपया

नवभारत न्यूज नेटवर्क

मुंबई, 14 अक्टूबर. अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये में लगातार चौथे कारोबारी सत्र में तेजी दर्ज की गई. बुधवार को रुपया 28 पैसे मजबूत होकर 95 प्रति डॉलर पर खुला, जबकि मंगलवार को यह 95.28 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था. विदेशी मुद्रा बाजार में रुपये की मजबूती को भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से मुद्रा को सहारा देने के लिए उठाए गए कदमों से जोड़कर देखा जा रहा है. आरबीआई गवर्नर के इस संकेत से भी बाजार को राहत मिली है कि जरूरत पड़ने पर केंद्रीय बैंक अतिरिक्त कदम उठा सकता है. हाल के दिनों में रुपये पर दबाव बना हुआ था. डॉलर की मजबूती और विदेशी मुद्रा बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच केंद्रीय बैंक ने रुपये को स्थिर रखने के लिए कदम उठाए हैं.

चांदी में बड़ी गिरावट का खतरा

भारतीय बाजार में एक किलो चांदी 34 हजार रुपये तक सस्ती होने की संभावना

नवभारत न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर. चांदी की कीमतों में लगातार गिरावट के बीच अब इसके और सस्ता होने की आशंका जताई जा रही है. ब्लूमबर्ग इंटेलिजेंस के कमोडिटी विश्लेषक माइक मैकग्लोन के मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी का भाव गिरकर 50 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकता है.

बुधवार को चांदी का अंतरराष्ट्रीय भाव करीब 59.11 डॉलर प्रति औंस बताया गया. इस स्तर से 50 डॉलर तक गिरावट आने पर कीमत में करीब 15.4 प्रतिशत की कमी होगी. इस अनुमान के आधार पर भारत में चांदी की कीमतों में भी बड़ी गिरावट की संभावना बन सकती है. यदि एक किलो चांदी का मौजूदा भाव 2.20 लाख रुपये माना जाए और इसमें 15.4 प्रतिशत की कमी आए, तो कीमत करीब 1.86 लाख रुपये प्रति किलो रह सकती है. यानी एक किलो चांदी लगभग 34 हजार रुपये तक सस्ती हो सकती है. हालांकि, यह केवल गणितीय अनुमान है. भारतीय बाजार में वास्तविक भाव पर रुपये-डॉलर की विनिमय दर, आयात शुल्क, कर और स्थानीय बाजार की स्थिति का भी असर पड़ता है.

1980 के बाद सबसे ज्यादा उतार-चढ़ाव

मैकग्लोन की चिंता केवल चांदी की कीमतों में गिरावट को लेकर नहीं, बल्कि इसके असामान्य उतार-चढ़ाव को लेकर भी है. उनके विश्लेषण के अनुसार, पिछले 260 कारोबारी दिनों में चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव एसएंडपी 500 सूचकांक के मुकाबले 5.1 गुना अधिक रहा. एसएंडपी 500 अमेरिका की प्रमुख 500 कंपनियों के शेयरों का सूचकांक है. बताया गया है कि चांदी और शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव का यह अनुपात 1980 के बाद सबसे ऊंचे स्तर पर है. चांदी ने इस साल तेज बढ़त दर्ज की थी और इसका भाव 120 डॉलर प्रति औंस से भी ऊपर चला गया था.

समाचार विशेष

7 हजार विद्यार्थियों ने बनाया विश्व रिकॉर्ड

- 60 सेकंड में प्रशंसा कार्ड पर किए हस्ताक्षर
- रोटरैक्ट क्लब और एनएसएस की संयुक्त पहल

नवभारत कनेक्ट

कोयंबटूर , 14 अक्टूबर. शिक्षकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए करुण्या विश्वविद्यालय के 7 हजार विद्यार्थियों ने एक साथ अनूठी पहल की.

विश्व शिक्षक दिवस पर विद्यार्थियों ने मानव आकृति के जरिए 'करुण्या की ओर से शिक्षकों को नमन' संदेश बनाया और महज 60 सेकंड में प्रशंसा कार्ड पर हस्ताक्षर कर शिक्षकों के प्रति आभार जताया. इस उपलब्धि को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, यूके ने मान्यता दी शिक्षकों के योगदान को सम्मान देने के लिए करुण्या विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने विश्व शिक्षक दिवस पर एक अनूठा आयोजन किया. विश्वविद्यालय के 7 हजार विद्यार्थियों ने एक साथ मानव आकृति बनाकर 'करुण्या की ओर से शिक्षकों को नमन' संदेश प्रस्तुत किया.इसके साथ ही विद्यार्थियों ने महज 60 सेकंड में शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करने वाले प्रशंसा कार्ड पर हस्ताक्षर किए.इस पहल को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, यूके ने अपने रिकॉर्ड में दर्ज किया है. कार्यक्रम के दौरान वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, यूके की चार्टर्ड अधिकारी अंकिता शाह ने विश्वविद्यालय को प्रमाणपत्र प्रदान किया.इस उपलब्धि के जरिए विद्यार्थियों ने शिक्षकों के प्रति सम्मान, कृतज्ञता और उनके योगदान के महत्व को रेखांकित किया. विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं संस्थापक डॉ. पॉल दिनाकरन ने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों के जीवन को दिशा देते हैं, उनके सपनों को प्रेरित करते हैं और आने वाली पीढ़ियों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं.

दलित समाज पर भाजपा की नजर

रांची, 14 अक्टूबर. झारखंड मुक्ति मोर्चा ने पलामू क्षेत्र के रहने वाले बैद्यनाथ राम को राज्यसभा भेजा तो भाजपा की केंद्र सरकार ने उसी क्षेत्र के रहने वाले अपने नेता ब्रजमोहन राम को राज्यपाल बना दिया.

पहले झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास को ओडिशा का राज्यपाल बनाया गया था. उन्होंने बीच में ही इस्तीफा दे दिया. अब झारखंड के एक बिल्कुल गुमनाम नेता को ओडिशा का राज्यपाल बना दिया गया है. इस नियुक्ति से ऐसा लग रहा है कि दलित समाज के अंदर भी भाजपा की नजर जाटव या रविदास समाज के ऊपर है. ऐसा माना जा रहा है कि दलित समाज की इस जाति का रूझान कांग्रेस की ओर है. उत्तर प्रदेश में यह समाज भावनात्मक रूप से मायावती और उनकी पार्टी से जुड़ा है. उत्तर प्रदेश के लोकप्रिय दलित नेता दुष्यंत गौतम को सिक्किम का राज्यपाल बना कर भेजा गया है. बहरहाल, ब्रजमोहन राम की बात करें तो हाल के दिनों में रविदास समाज से हुई यह दूसरी हाई प्रोफाइल नियुक्ति है. इस साल जून में राज्यसभा चुनाव में भाजपा ने बिहार के शिवेश राम को उच्च सदन भेजा था. उनके पिता आईएएस अधिकारी रहे थे और अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में मंत्री रहे थे. शिवेश राम को लोकसभा का चुनाव भी लड़ाया गया था लेकिन वे हार गए थे.

असल में जब से कांग्रेस पार्टी ने मल्लिकार्जुन खड़गे को अध्यक्ष बनाया है तब से अलग अलग राज्यों के चुनाव में और लोकसभा चुनाव में भी यह कांग्रेस की ओर दलित रूझान दिखाई दिया. इसी भरोसे कांग्रेस अपने मुस्लिम, दलित वोट आधार को रिवाईव करने की कोशिश कर रही है. भाजपा को इसकी चिंता हुई है. इसलिए उसने दलित आउटरीच का प्रयास शुरू किया.

पीएम मोदी ने सराहा वीआईटी के स्टार्टअप का एआई नवाचार

नवभारत कनेक्ट

चेन्नई, 14 अक्टूबर . प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (वीआईटी), चेन्नई में विकसित हो रहे हेल्थकेयर स्टार्टअप मेडएक्सएआई इनोवेशंस की कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित स्वास्थ्य तकनीकों की सराहना की. कंपनी की सीईओ डॉ. शीना सी. प्रवीन ने प्रधानमंत्री को सर्वाइकल कैंसर की शुरुआती जांच और दवाओं की खोज के लिए विकसित तकनीकों की जानकारी दी.

कार्यालय नगर पालिका परिषद सीहोर जिला सीहोर (म. प्र.)

प्रारूप-28
ई-निविदा आमंत्रण सूचना
मध्य प्रदेश शासन

एन.आई.टी. संख्या /4665 / लो.नि.शा./ ई टेंडर / 2026 सीहोर दिनांक 14.10. 2026

निम्नलिखित संविदाकार और ख्याति फर्म्स से जो निविदा मानदंडों को पूरा करती हो ऑनलाईन निविदा आमंत्रित हैं।

क्र.	क्र.सं./ पैकेज / कोड	आपूर्तियां	जिला	संभावित राशि	निविदा	टेण्डर क्रय करने की अंतिम दिनांक
1.	2026_UAD_527859_2	Asphalt Road Construction Work in the Streets of kanak Puri, Ward No.07, behind fauji Hotel, Municipal Council Sehore, District Sehore M.P.	सीहोर	17,26,917 /-	द्वितीय	14.10.2026 11.00 बजे से 28.10.2026 सांय 17.30 तक
2.	2026_UAD_526464_2	Construction of Bituminous Asphalt Road from Shri Hanuman Ji Tempel, Vishwanathpuri to Kircian Colony in Ward No.09.	सीहोर	28,57,624/-	द्वितीय	14.10.2026 11.00 बजे से 28.10.2026 सांय 17.30 तक
3.	2026_UAD_526491_2	Construction of C.C.Road from Prem Pehalwan Square to the huose of Shri Laxman Shakya up to the house of Shri Rohit Kushwaha in Ward No.15.	सीहोर	4,31,442/-	द्वितीय	14.10.2026 11.00 बजे से 28.10.2026 सांय 17.30 तक
4.	2026_UAD_526503_2	Construction B.T.Road from Tulsi Pan Shop to Forest Office Square in Ward No.15	सीहोर	29,76,308/-	द्वितीय	14.10.2026 11.00 बजे से 28.10.2026 सांय 17.30 तक
5.	2026_UAD_522645_1	Construction of Covered Nali from the House of Kanhaiya Lal Rathore to Nasreen Masjid, ward No.16	सीहोर	5,84, 305/-	प्रथम	14.10.2026 11.00 बजे से 28.10.2026 सांय 17.30 तक
6.	2026_UAD_528364_2	Construction Bituminous Road in Ward No. 19	सीहोर	22,89,636/-	द्वितीय	14.10.2026 11.00 बजे से 28.10.2026 सांय 17.30 तक
7.	2026_UAD_516686_3	Execution of All Type Construction And Maintenance Works (CC Road, WBM Road, Drain, Culvert, BT Work, Paver Block,Repair and Maintenance Works etc.) Under Rupees One lakh in Ward No.25 to 28 under Municipal Council Sehore.	सीहोर	40,00,000/-	तृतीय	14.10.2026 11.00 बजे से 28.10.2026 सांय 17.30 तक

1- इच्छुक निविदाकार वेबसाईट http://mptenders:gov.in पर NIT देख सकते हैं। 2- निविदा दस्तावेज सार्वजनिक अवकाश को छोड़कर दिनांक 14.10.2026 प्रात:11.00 बजे से 28.10.2026 सायं 17.30 तक ऑनलाईन क्रय किये जा सकते हैं। 3- NIT में संशोधन, यदि कोई होता है, तो केवल, वेबसाईट पर प्रकाशित किया जाएगा और समाचार पत्र में नहीं।

(विकास प्रिंस राठौर)
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद सीहोर

सुधीर कुमार
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद सीहोर